हवाई जहाज द्वारा अंडमान, पोर्ट ब्लेयर, हैवलॉक द्वीप, नील द्वीप यात्रा

यात्रा समय: 06 दिन

यात्रा प्रारंभ: 09 नवम्बर, 12 दिसम्बर 2025, 05 मार्च 2026

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	**पोर्ट ब्लेयर-** दिल्ली से फ्लाइट द्वारा पोर्ट ब्लेयर आगमन। होटल चेक-इन, ट्रांसफर और वेलकम ड्रिंक।शाम को कॉर्बिन कोव बीच, लाइट एंड साउंड शो–वीर सावरकर और स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी। रात्रि पोर्ट ब्लेयर।
दूसरा दिन	**हैवलॉक द्वीप-** सुबह रॉस द्वीप से भ्रमण व दिन में पोर्ट ब्लेयर से फेरी द्वारा हैवलॉक द्वीप के लिए प्रस्थान। होटल चेक-इन, एशिया के सबसे सुंदर समुद्र तटों में से एक राधानगर बीच पर भ्रमण। रात्रि में हैवलॉक।
तीसरा दिन	**हैवलॉक-** सुबह-सुबह काला पत्थर बीच का भ्रमण – शांत वातावरण और शानदार फोटो स्पॉट। स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, सी वॉक जैसे एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स। पूरा दिन समुद्र की लहरों, नीले आसमान और सुकून के साथ। रात्रि में हैवलॉक।
चौथा दिन	**नील द्वीप-** सुबह फेरी से नील द्वीप के लिए प्रस्थान। चेक-इन के बाद भ्रमण: लक्ष्मणपुर बीच – सुंदर सनसेट पॉइंट, भारतपुर बीच – वाटर स्पोर्ट्स के लिए प्रसिद्ध, नैचुरल ब्रिज, प्रकृति का अद्भुत चमत्कार, शाम को होटल में विश्राम।
पांचवां दिन	**पोर्ट ब्लेयर-** सुबह फेरी द्वारा Port Blair वापसी। होटल चेक-इन, Cellular Jail का भ्रमण – स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा ऐतिहासिक स्थल। फिर स्थानीय मार्केट, स्मृति चिन्ह (Souvenirs) की खरीदारी का समय। रात का खाना और विश्राम।
छठवां दिन	**दिल्ली-** होटल से चेक-आउट। फ्लाइट द्वारा पोर्ट ब्लेयर से दिल्ली के लिए प्रस्थान व दिल्ली एयरपोर्ट पर मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समापन।

यात्रा किराया:- होटल में भोजन, चाय, नाश्ता, घुमाने के लिए मिनी बस/टैक्सी, डबल बैड होटल रूम, फ्लाइट दिल्ली-पोर्ट ब्लेयर-दिल्ली सहित का किराया ₹**59,000/-** प्रति सवारी होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**10,001/-** प्रति यात्री मध्य प्रदेश प्रतिनिधि कुलदीप/अनिल धारिया जी उज्जैन के बैंक खाते में या नगद जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा से पूर्व ली जायेगी। **नोट:** एडवेंचर एक्टिविटीज, वाटर स्पोर्ट्स, रोस आइलैंड रिक्शा व दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा। कृपया फ्लाइट यात्रा के नियम पेज नं. 29 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

फ्लाईट द्वारा यात्रा के नियम व सुविधाएं

1. यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक पानी की बोतल दी जायेगी।
2. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में ₹8000 प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है। A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। यात्री अपने साथ बुकिंग के समय दिए गए असली पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर ID) और एक पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लाएं।
3. फ्लाइट यात्रा में पावर बैंक केवल हैंड बैग में रखें। कैंची, नेल कटर, चाकू, नारियल आदि सामान ले जाना वर्जित है। प्रत्येक यात्री 15 किलो चेक-इन बैग और 7 किलो हैंड बैग ले जा सकता है। बोर्डिंग पास फ्लाइट से 12 घंटे पहले व्हाट्सएप पर भेजा जाएगा। कृपया टिकट पर दिए टर्मिनल पर, फ्लाइट समय से 3 घंटे पहले डिपार्चर गेट पर संस्था के प्रतिनिधि से मिलें।
4. <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा। फ्लाइट और रेल के नियमों का पालन करें।
- संस्था द्वारा बनाई गई रेल/फ्लाइट टिकट में सीट रेलवे/एयरलाइन तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी।
- यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई गुरप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री (स्वयं के खर्च 1से) पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में फ्लाइट लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थतियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।